

# असाधार्ण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

# प्राधिकार से प्रकासित PUBLISHED BY AUTHORITY

a. 409]

नई बिहली, सोमवार, अक्तूबर 19, 1992/आश्वित 27, 1914

No. 409] NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 19, 1992/ASVINA 27, 1914

दास भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कप हैं रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विस मन्नालय

(राजस्य विभाग)

श्रधिमूचना

नई दिल्ली, 19 भ्रम्यूबर, 1992

सा वा नि 813 (ख्र) — राष्ट्रपति भाग्न कं संविधान के स्रमुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदस्त प्रावितयों का प्रयोग करते हुए समझौता खायोग (ब्राय-कर/धन-कर) (ब्रध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की सेवा की शर्ने) नियम 1977 का और सणाधन करने के लिए निम्नलिखिस नियम बनाने हैं, खर्षात् —

- 1. (1) इन नियमो का सक्षिप्त नाम समझौता श्रायोग (श्राय-कर/ धन-कर) (प्रध्यक्ष, उपाध्यक्ष और मबस्यों की सेवा की शर्तें) मणोधन नियम, 1992 है।
  - (2) ये राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।
- 2 समझीता श्रायोग (श्राय-कर/धन-कर) (श्रध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की सेवा शर्तें) नियम, 1977 (जिसे इसमें इसके पश्चान उन्त नियम कहा गया है) मे--
  - (क) विश्वमान नियम 6 को उस नियम के उपनियम (1) के रूप मे पून सक्ष्यांकिन किया जाएगा,

- (ख) इस प्रकार पुन सङ्गांकत उन्नियम (1) के पश्वात निग्न-लिखित उपनियम अनस्थापित किया जाएगा, प्रयान ---
- "(2) उपनियम (1) में किसी बात के होने हुए भी समझौता आयाग (आय-कर/धन-कर) (अध्यक्ष उगाध्यक्ष और मिवस्यों की संवा की खातें) संवोधन नियम, 1992 के प्रा म के प्रवात अध्यक्ष या उगाध्यक्ष या सदस्य के रूप में नियुक्त व्यक्ति प्रायाग के एक या प्राप्ति पदा पर अधिकतम 5 वर्ष की अविधि तक या 60 वर्ष की प्रायु प्राप्त करने नक जो भी पूर्वतर हो पव धारण करेगा"।
- ক) विद्यमान नियम 6-क को उस नियम के उपनियम (1) के सप मे पुन संख्याकित किया जाएगा
- (ख) इस प्रकार पुन सयाकित उप नियम (1) के पश्चात् नि\*न-लिखित उपनियम अनस्थापित किया आस्मा अपान् ——
- "(2) उपनिषम (1) में किसी बान के हों। दूए मा सबमोता आयोग (आयकर-/अन-कर) (अध्यक्ष, उत्तध्यक्ष और पदम्या को सेवा को सर्वों) मशोक्षन नियम, 1992 के आर्टन के पण्नान् अध्यक्ष या उत्ताध्यक्ष या मदस्य के कर में नियुक्त व्यक्ति अभिकासों मिविष्य विधि निषम (भारत), 1962 के अधीन अभिकासों मिनिष्य तिथि खाते में ऐसी अनी

के अधीन रहते हुए अभिदाय करने का हकतार होगा जो केन्द्रीय सरकार के पुनर्तियोजित सेवको को लागू होती है"।

4 जयत नियमो मे नियम 6-क के पण्यात् निम्नाविध्वा नियम अन - स्थापित किए जाएके, श्रार्थात् --

"क्ष प्रध्यक्ष या उपाध्यक्ष या सदस्य के रूप में नियुक्ति पर मूल सेवा से सेवानिवृत्त

- (1) प्रहा समझीता आयांग (ग्राय-कर/अन-कर) (अध्यात, उपाध्यात और सबस्यों की मेंबा की खतें) सशोधन नियम, 1992 के प्रारंभ के पण्चात् अध्यक्ष या उपाध्यक्ष या गत्रस्य जो आयोग में प्याना निय्तिन की वारीख को केन्द्रीय सरकार के अधीत सेवा में पा नह आयोग में ध्याना पर प्रहण करने भे पूर्व ऐसी सेवा से भिवानकृति प्रान करंगा और आयोग में भ्रमना पद प्रहण करने की वारीख को ध्रम भागर सेवानियन हुआ। समझा जाएगा।
- (2) ऐसी सेवानिवृत्ति पर जो उपनियम (1) में पराउपविधित्त है, यथास्थिति श्रध्यक्ष या उपाध्यक्ष या सवस्य --
  - उसको लागू सेवानिवृत्ति नियमो के अनुसार यगन और उप-दान प्राप्त करने का हकतार होगा,
  - (2) श्रपनी उपाजित छुट्टी प्रमनीत करने के लिए श्रनुकार नहीं किया जाएगा किंनु श्रपनी सेवानियत्ति के पूर्व उसको लागु नियमों के श्रनुसार छुट्टी येनन बाद हाई है है। स्वरं नकद रकम प्रास्त करने का हकदार होगा,
  - (3) समझौता मायोग में प्रपत्ती प्रवाबधि की समान्ति पर यथा-स्थिति भ्रध्यक/उपाध्यक्ष या सदस्य अपने जाने में जमा उपा-जिन छुट्टी की याबन छुट्टी येन्न के बरावर नकद रकम इस गर्त के अधीन प्राप्त करने का हकदार होगा कि इस उपनियम के अधीन और पृथे सेथा में सेशांनवृत्ति क सपय अधिकतम नजवीकरण छुट्टी कुन मिलाकर किनी भी दणा में 240 दिनों से अधिक नहीं होगी।

## ल -ग अस्थायी उपग्रध

नियम 6 के उपनियम (2) में किसी बात के होते हुए भी समझौता आयोग (श्राय-कर/धन-कर) (श्रव्यक्ष, उपाध्यक्ष और मदस्यों की सेवा की शर्ते) संशोधन नियम, 1992 के प्रयुत्त होने की तारीख को उपाध्यक्ष और मदस्यों के पद धारण करने वाले व्यक्तियों में में यदि किसा को अपनी पदावधि के शेप भाग के लिए आयोग में किसी उच्चतर पद पर नियुक्त किया जाना है तो यह 60 वर्ष की आय में परे प्रपत्ते पद पर बने रहने के लिए ऐसे हकवार होगा मानो सम्झौता वायोग (याय-कर/धन-कर) (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और मदस्यों की सेवा की गार्ने) संशोधन नियम, 1992 नहीं बनाए गए थे"।

[म 17/92 (फा म 21/14/92-एड आई मी ] ए. के भिन्हा, डैस्क प्रक्षिकारी

#### स्पष्टीकारक ज्ञापन

केन्द्रीय सरकार ने समझीता श्रायोग (श्राय-कर/धनगर) (श्रध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यो को सेवा की शर्ते) नियम, 1977 का मणोधन करने का विनिश्चय किया है।

यह प्रमाणित किया जाता है कि इस प्रिधिसूचना का भावी प्रमाश होगा और इससे गमझौता श्रायोग के पहले ही कार्यरत प्रध्यक्ष उपा-श्यक्ष और सदस्यों की वर्तमान सेनायित पर प्रतिकृत प्रमान नहीं पहेगा।

पाद टिप्पणी — मूल नियम भारत के राजपन्न में मा का <sub>सि</sub>स. 8**37 तारीख 4** जृत 1977 द्वारा प्रकाक्षित किए गए थे

- शीर बाद भ उनका निरुनात' रा द्वारा सर्शाधन किया गय। या ──
- (1) मं साका नि 5 तारीख 12 12 19 7 ।
- (2) म मा का नि 322 नारीख 29 2-1980
- (3) म साका नि 1176 तारीख 15-11-1980
- (1) स गाका नि 133 तारीय 7-3-1987।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

# NOTIFICATION

New Delhi, the 19th October, 1992

- G S.R. 813(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India the President hereby makes the following rules further to amend the Settlement Commission (Income-tax|Wealth-tax) (Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairmen and Members) Rules, 1977, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Settlement Commission (Income-tax/Wealth-tax) (Conditions of Service of Chairman, Vice Chairmen and Members) Amendment Rules, 1992.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2 In the Settlement Commission (Income-tax) Wealth-tax) (Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairmen and Members) Rules, 1977, (hereinafter referred to as the said rules)—
  - (a) the existing rule 6 shall be renumbereed as sub-rule (1) of that rule;
  - (b) after sub-rule (1) as so renumbered, the following sub-rule shall be justed, namely
    - "(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), a person appointed as Chairman or a Vice Chairman or a Member, after the commencement of the Settlement Commission (Income-tax|Wealthtax) (Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairmen and Members) Amendment Rules, 1992, shall hold office for a maximum period of 5 years in one or more posts of the Commission or till he attains the age of 60 years, whichever is earlier".
- 3 (a) The existing rule 6A shall be renumbered as sub-rule (1) of that rule;
- (b) After sub-rule (1) as so renumbered, the following sub-rule shall be inserted namely
  - "(2) Notwithstanding anything contained in subrue (1), a person appointed as Chairman or Vice-Chairman or a Member, after the commencement of the Settlement Commission (Income-tax|Wealth-tax) (Conditions of Service of Chairman Vice-Chairmen and Members) Amendment Rules, 1992, shall be entitled to contribute towards the contributory Provident Fund Account under the contributory Provident Fund Rules (India),

1962, subject to such conditions as are applicable to re-employed Central Government servants"

- 4. In the said rules after rule 6A, the following rules shall be inserted, namely:—
  - "6B Retirement from parent service on apointment as Chairman or Vice-Chairman or Member;
  - (1) Where, after the date of commencement of Settement Commission (Income-tax|Wealth-tax) (Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairmen and Members) Amendment Rules, 1992, the Chairman or a Vice-Chairman or a Member who, on the date of his appointment to the Commission, was in service under the Central Government, he shall seek retirement from such service before his joining the Commission, and shall be deemed to have so retired on the date of his joining the Commission.
  - (2) On such retirement as is provided in subrule (1), the Chairman or Vice-Chairman or a Member as the case may be:—
    - (i) shall be entitled to receive pension and gratuity in accordance with the retirement rules applicable to him;
    - (ii) shall not be allowed to carry forward his earned leave but shall be entitled to receive cash equivalent of leave salary, if any, in accordance with the rules applicable to him prior to his retirement;
  - (iii) on the expiry of the term of his office in the Settlement Commission, the Chairman, Vice-Chairman or a Member as the case may be, shall be entitled to receive cash equivalent of leave salary in respect of the earned leave standing to his credit subject to the condition that the maximum of leave encashed under this subrule and at the time of retirement from

previous service, taking together, shall not in any case exceed 240 days.

6C. Temporary Provision.—Notwithstanding anything contained in sub-rule (2) of rule 6, the persons holding the posts of Vice-Chairman and Member on the date of coming into force of the Settlement Commission (Income-tax|Wealth-tax) (Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairmen and Members) Amendment Rules, 1992 shall be entitled to continue beyond the age of 60 years if any one of them is appointed to a higher post in the Commission for the remaining part of their term as if the Settlement Commission (Income-tax|Wealth-tax) (Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairmen and Members) Amendment Rules, 1992 had not been made".

[No. 17]92 (F. No. 21]14]92-Ad. IC] A. K. SINHA, Desk Officer

# EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government have decided to amend the Settlement Commission (IT|WT) (Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairmen and Members) Rules, 1977.

2. It is certified that this notification would have prospective effect and would not adversely affect the present tenure of the Chairman, Vice-Chairmen and Members of the Settlement Commission already in position.

Footnote. The Principal Rules were published vide No. G.S.R. 837 dated the 4th June, 1977 in the Gazette of India and subsequently amended vide

- (i) No. G.S.R. 5 dated 12-12-78
- (ii) No. G.S.R. 322 dated 29-2-80
- (iii) No. G.S.R. 1176 dated 15-11-80
- (iv) No G.S.R. 133 dated 7-3-87,